



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड I

PART I—Section I

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 195]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 2, 2008/ज्येष्ठ 12, 1930

No. 195]

NEW DELHI, MONDAY, JUNE 2, 2008/JYAISTHA 12, 1930

बाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(बाणिज्य विभाग)

(विदेश व्यापार महाविभाग)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 2 जून, 2008

सं. 21 (आरई-2008)/2004—2009

फा. सं. 01/94/180/1159/एम 08/पीसी-4.—विदेश व्यापार नीति, 2004—2009 के पैराग्राफ 2.4 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महानिदेशक, विदेश व्यापार प्रक्रिया पुस्तक, खण्ड-1 (आरई-2008) में एतद्वारा, निम्नलिखित संशोधन करते हैं :—

- पैरा 4.7.5 के पहले उप-पैरा के अन्त में निम्नलिखित वाक्य जोड़ा जाता है :—

“परियोजना आपूर्तियों के लिए, मानदण्ड समिति के निर्णय के विरुद्ध अभ्यावेदन, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने की समय-सीमा मानदण्ड समिति के निर्णय प्राप्त होने की तारीख से एक वर्ष होगी”।

इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

आर. एस. गुजराल, महानिदेशक, विदेश व्यापार
एवं पदेन अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE)

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 2nd June, 2008

No. 21 (RE-2008)/2004—2009

F. No. 01/94/180/1159/AM 08/PC-4.—In exercise of powers conferred under paragraph 2.4 of the Foreign Trade Policy, 2004—2009, the Director General of Foreign Trade hereby makes the following amendments in the Handbook of Procedures, Vol. 1 (RE-2008) :—

- The following sentence stands added at the end of first sub-para of paragraph 4.7.5 :—

“For project supplies, the time limit for filing representations, if any, against the decision of Norms Committee shall be one year from the date of communication of decision of the Norms Committee”.

This issues in the Public interest.

R. S. GUJRAL, Director General of Foreign
Trade & ex-officio Addl. Secy.